



Parag Soni

16 Apr 2003

05:50 AM

Jhunjhunu

Model: web-freelalkitab

Order No: 121589311

## लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।  
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 15-16/04/2003  
दिन \_\_\_\_\_: मंगल-बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 05:50:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 59:25:03 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Jhunjhunu  
राज्य \_\_\_\_\_: Rajasthan  
देश \_\_\_\_\_: India

दादा का नाम \_\_\_\_\_:  
पिता का नाम \_\_\_\_\_:  
माता का नाम \_\_\_\_\_:  
जाति \_\_\_\_\_:  
गोत्र \_\_\_\_\_:

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:05:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:30:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:28:00 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 05:22:00 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:00:10 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 18:56:58 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:03:58 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:52:52 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:48:53 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 01:42:55 मेष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 26:04:08 मीन

चैत्रादि संवत / शक \_\_\_\_\_: 2060 / 1925  
मास \_\_\_\_\_: चैत्र  
पक्ष \_\_\_\_\_: शुक्ल  
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_: 13  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 08:23:03  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 15  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_: उ०फाल्गुनी  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 13:26:56 घंटे  
जन्म नक्षत्र \_\_\_\_\_: हस्त  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 11:52:31 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 08:23:03 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
भयात \_\_\_\_\_: 40:57:41  
भभोग \_\_\_\_\_: 52:58:08  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_: चंद्र 2 वर्ष 3 मा 9 दि

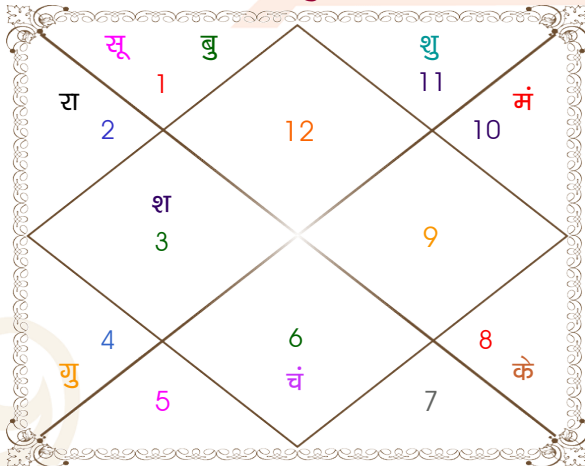
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मीन	26:04:08	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मेष	01:42:55	उच्च राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	कन्या	20:17:51	मित्र राशि	--	--	--	नेक
मंगल	मकर	02:28:45	उच्च राशि	--	--	--	नेक
बुध	मेष	21:17:11	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	कर्क	14:23:04	उच्च राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	कुम्भ	29:15:44	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	मिथुन	00:41:06	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	व वृष	05:56:03	मित्र राशि	--	--	--	नेक
केतु	व वृश्चिक	05:56:03	मित्र राशि	--	--	--	नेक

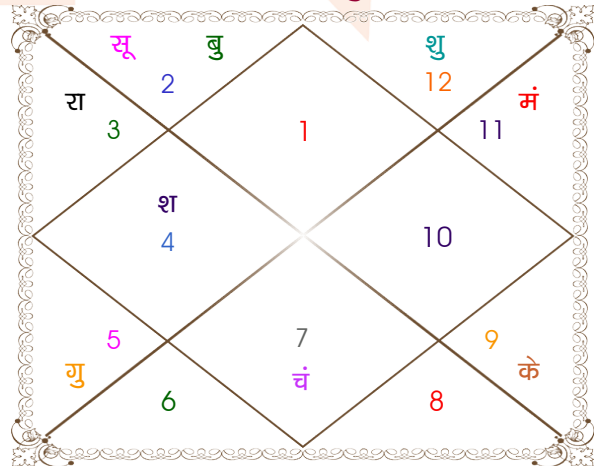
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप दानी, भरोसे से काम करने वाले। आप अपने पराक्रम से प्रगति करेंगे। स्वयं उन्नति कर दूसरों के लिए उन्नतिकारक होंगे। स्वयं पराक्रम से धन कमाने वाले, हुनर की कमाई से बरकत पाने वाले। आपको उत्तम सवारी का सुख मिलेगा। आपको तीनों लोकों का सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में मुखिया बनेंगे। धर्म मंदिर-धर्मशाला का निर्माण करवाएंगे। ससुराल एवं पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। माता-पिता/सास-ससुर सगे संबंधियों के लिए अनुकूल तथा परिवार में स्त्रियों के लिए भारी होंगे। आपको सरकार से लाभ मिलेगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारोबार के मालिक भी बन सकते हैं। कर्ण की तरह दानवीर भी बनेंगे।

यदि आपने अपने रिश्तेदारों से जायदाद-धन आदि के लिये मुकद्दमें आदि किये, किसी दूसरे व्यक्ति का माल हड़प किया, सफेद वस्तुएं (चावल-चांदी दूध आदि) मुफ्त ली तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपकी पत्नी, प्रेमिका तथा धन पर बुरा असर पड़ेगा। माता या मौसी पर भी अशुभ प्रभाव होगा। परिवार में स्त्रियों की संख्या कम होगी। इस हालात में बहन, माता/सास, भाभी पर अशुभ असर पड़ सकता है। माता, बुआ या मौसी विधवा हो सकती है। धन, स्त्री, जमीन के लिये मुकद्दमें झगड़े अगर आप करेंगे तो आपका कुल तक नष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त के माल पर नजर न रखें।
2. गिफ्ट या दान न लें।

उपाय :

1. नारियल या सरसों का तेल या बादाम धर्म स्थान में दें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको सुंदर पत्नी का सुख प्राप्त होगा। आप नेता, वकील, व्यापारी बन सकते हैं। खेती की जमीन से भी लाभ मिलेगा। मध्यम पढ़ाई का योग है। आपके घर में जल तथा दूध की व्यवस्था हमेशा रहेगी। आप स्वयं लक्ष्मी अवतार होंगे। आपकी योगाभ्यास, शायरी और ज्योतिष विद्या में रुचि होगी। आप आस्तिक और ईश्वर भक्त होंगे। आप सरकारी सर्विस में होंगे तो प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। उत्तम वाहन सुख मिलेगा। दुनियादारी से मोहभंग हो जाएगा। आध्यात्म का फल श्रेष्ठ रहेगा। आप अपने पराक्रम से मिट्टी से सोने पैदा कर सकते हैं। धन-दौलत, जेवरात आदि की बरकत

होगी। आपको सरकार से या किसी संस्था द्वारा सम्मान मिलेगा या आप विदेश में अधिक समय व्यतीत करेंगे। विदेश की यात्रा करेंगे। ईश्वर की भक्ति प्राप्त होगी। आपको जल से संबंधित चीजों से लाभ होगा। आप नये विषयों की खोज भी करेंगे।

यदि आपने परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, भूत-प्रेत की सिद्धि की, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया। माता या स्त्री से झगड़ा किया, 24-25 वर्ष आयु में विवाह हुआ तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 2 वर्ष तक माता का स्वास्थ्य ढीला रहेगा या माता से अलग रहना पड़ सकता है। विवाह के बाद माता के सुख में कमी आ सकती है। माता का विरोध करना आपके लिए अशुभ होगा। आपको 24वें वर्ष में विवाह करना भावी संतान के लिए प्रतिकूल होगा। आपका चाल-चलन संदेहपूर्ण होगा। दूध और पानी को बेचने से संतान सुख में बाधा हो सकती है। आपकी पत्नी और आपकी माता का आपस में झगड़ा रहेगा, पत्नी से संबंध विच्छेद या दूरी का भय रहेगा या हो सकता है। मादक चीजों/द्रव्यों के प्रयोग से आपकी बर्बादी होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूध-पानी माल न बेचें।

उपाय :

1. दूध पानी का दान करें।
2. विवाह के बाद पत्नी की डोली आपके घर में आने से पहले पत्नी के वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी कायम करें।